

# फर्द अहकाम

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मुकाम लक्ष्मणगढ

जम्ना बनाम किशन 2015/107

दावा धारा अन्तर्गत 88, 188

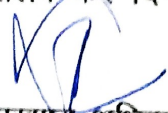
हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो जारी  
हुआ

हुक्म

2020

आज दावा वादी के वकील द्वारा न्यायालय में उपस्थित होकर पेश किया गया। कार्यालय की रिपोर्ट ली गई। दावा दर्ज रजिस्टर्ड कर प्रतिवादीगण को जर्ने सम्मल तलब कर दिनांक 30.03.2020 को पेश हो।

  
उपखण्ड अधिकारी  
लक्ष्मणगढ अलवर

30<sup>3</sup>/<sub>20</sub>

वकाराव के वकील उप. / 10, 7, 8.  
प्रवाचय के कोठि 15..... है। उसके वक्त  
दिनांक 27/8/20 को पेश हो। मुदावा L

27/8/20 - फावली पेशा वकील अजीला रान उपख

रिपोर्ट की तलबी अप्राप्त हैं; वाले  
तलबी 27/8/20 दि. 12/10/20 को पेश हो

12<sup>10</sup>/<sub>20</sub>

वकाराव के वकील उप. / 10, 7, 8.  
प्रवाचय के कोठि 10..... है। उसके वक्त  
दिनांक 20/11/20 को पेश हो। मुदावा L

विक्रमजीत इन्फ्रान्ट  
(2015/107) मुकाम-लक्ष्मणगढ

28<sup>12</sup>/<sub>20</sub>

वकाराव के वकील उप. / 10, 7, 8.  
प्रवाचय के कोठि 21/12/20..... है। उसके वक्त  
दिनांक 15/2/21 को पेश हो। मुदावा L

15<sup>2</sup>/<sub>21</sub>

वकाराव के वकील उप. / 10, 7, 8.  
प्रवाचय के कोठि 21/12/20..... है। उसके वक्त  
दिनांक 16/3/21 को पेश हो। मुदावा L

3  
16/21

आज यह पत्रावली पेश हुई। आज बां  
एकोतियेकान ने कार्य स्थगित कर रखा है  
P. O. साहब भ्रमण पर हैं। पत्रावली  
दिनांक 10/5/21 को पेश हो। L

पत्रावली पेशा...

| <p>तारीख<br/>हुकम</p>  | <p>हुकम या कार्यवाही मय<br/>इनिशियल जज</p>  | <p>नम्बर<br/>अह<br/>जा</p> |
|--|---|----------------------------|
| <p>19.3.25</p> <p>अ.नि. जमना</p> <p>I.O.</p> <p><i>[Signature]</i></p> | <p>पत्रावली प्रस्तुत हुई। अपीलार्थ अपेक्षित।<br/>         अपीलार्थ द्वारा निवेदन किया गया कि वह अपने<br/>         अपील इंतकाल प्रार्थना पत्र को आगे नहीं<br/>         चलावा चाहती है। अतः अपील प्रार्थना पत्र<br/>         विहीन करने का निवेदन किया। पत्रावली वाले<br/>         (अपीलार्थ) पहचान कर अपेक्षित हेतु अपेक्षित<br/>         दिनांक 02.04.25 को पेश हो।</p> <p><i>[Signature]</i></p> <p><b>उपखण्ड अधिकारी<br/>गोविन्दगढ़ (अम्बर) रज०</b></p> |                            |
| <p>2.4.25</p>  | <p>पत्रावली प्रस्तुत हुई। वकीलवारी उपर।<br/>         वकील स्वयं उपस्थित होकर जज के वकील<br/>         द्वारा नोट उठाकर पत्रावली शुरू<br/>         करके पत्र खोलकर पत्रावली जज के सामने<br/>         निवेदन किया है। अतः द्वारा वकीलवारी<br/>         एवं वकील के नोट उठाकर जज के<br/>         शुरू करके खोलकर निवेदन किया है।<br/>         पत्रावली जज के सामने शुरू होकर<br/>         नष्ट हो गई।</p> <p><i>[Signature]</i></p>                           |                            |